



रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in



मानसरोवर विस्तार जयपुर में आवासीय प्लैट्स के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी छारा आवंटन

आज
अंतिम दिन



मुख्यमंत्री जन आवास योजना - 3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं
स्थिल एस्टेट सेग्मेंट एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

आवेदन की अंतिम तिथि

23 मार्च, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000
कुल राशि ₹23.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000
कुल राशि ₹43 लाख*

संपर्क करें

**9251625252, 8955008688
9057133344, 8955008687**

जे पार्क

मानसरोवर विस्तार जयपुर

90% तक लोन उपलब्ध विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

ऑनलाइन आवेदन हेतु

www.cmjanaawas.com



जैसी करनी वैसी भरनी

दिल्ला के साएम अरावद केजरीवाल के लिए आखिर वा दिन आ हा
गया, जिसकी आहट लगभग एक साल से थी। एक-एक कर उनके
महारथी शराब घोटाले में अंदर जाते रहे। सबसे पहले उनके डिप्टी
सीएम मनीष सिसोदिया गिरफ्तार हुए तो उनके समर्थन में सांसद संजय
सिंह हुंकार भरने लगे। अंत में एक दिन ऐसा भी आया जब ईडी अपनी
पूरी ताकत के साथ संजय सिंह के घर भी धमक गए। निकले तो उनके
हाथ में संजय सिंह का हाथ था और वे सीधे जेल की सींखों के बीच
पहुंच गए। उनके सबसे प्रबल महारथी रहे सतंद्र जैन इन दोनों के
पहले ही जेल की हवा खा रहे थे। लेकिन अरविंद केजरीवाल हमेशा
बचते रहे। यहां तक कि ईडी के दस समन को भी नजरंदाज करने में
उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। केजरीवाल की गिरफ्तार बार-बार टलती
रही तो यह भी अफवाह उडाई जाने लगी कि केजरीवाल भाजपा के
रहमोकरम पर ही बाहर छूम रहे हैं। यहां तक कि उन पर भाजपा की
बी टीम का भी तोहमत लगने लगा था। लोग तो यहां तक कहने लगे
ये कि वे दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने की होड़ में अपने ही साथियों को
धीरे-धीरे जेल में डलवाते जा रहे हैं। और केंद्र सरकार केजरीवाल
की महत्वाकांक्षा के इस पुण्य कर्म में उनका लगातार सहयोग कर रही
है। लेकिन गुरुवार की रात जब केजरीवाल गिरफ्तार हो गए तो इसके
साथ ही ये तमाम आशंकाएँ निर्मूल साबित हो गईं। संभव है कि पहले
कभी ऐसा रहा हो, क्योंकि भाजपा बहुत पहले से चुनावों के दौरान
कांग्रेस से ज्यादा महत्व आप पार्टी को देती रही है। नतीजतन कई बार
ऐसा भी वाक्या पेश आया कि भाजपा जब आप पार्टी को ज्यादा महत्व
देती तो कांग्रेस नेपथ्य में चली जाती थी। जहां तक आप पार्टी का
सवाल है, वो बोट तो हर प्रदेश में कांग्रेस के ही काटती है, इसलिए
आप पार्टी को जितना ज्यादा महत्व दिया जाता है, भाजपा की झोली
वोटों से उतनी ही ज्यादा भरती जाती है। यही वजह है कि जब दिल्ली
के शक्तिशाली मंत्री मनीष सिसोदिया गिरफ्तार हुए, तो लोगों ने समझा
कि कुर्सी पर बने रहने के लिए इस तरह का कमाल सिर्फ़ केजरीवाल
ही कर सकते हैं। मनीष सिसोदिया के बाद सबसे शक्तिशाली समझे
जाने वाले संजय सिंह भी जब जेल में डाल दिए गए तो केजरीवाल की
केंद्र सरकार से मिलीभगत की आशंकाएँ और भी बलवती हो गईं।
लेकिन गुरुवार को केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद केंद्र से मिलीभगत

की थे तमाम अफवाहें निराधार साबित हो गईं। शराब नीति में गडबड़ियों का मामला इतना बड़ा बन जाएगा, यह पहले किसी ने सोचा नहीं होगा। कम से कम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने तो कभी नहीं सोचा होगा यह मामला इतना तूल पकड़ेगा कि उन्हें सहित उनके साथियों को भी जेल की हवा खिला देगा। बता दें कि केजरीवाल से पहले झारखण्ड की झामुमो सरकार भी इसी तरह के संकट से जूझ रही थी। उसके मुख्यमंत्री हमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया था और ईडी की गिरफ्त में रहते हुए हमंत सोरेन ने राज्यपाल को इस्तीफा दे दिया था। हालाँकि, केजरीवाल मंत्रिमंडल के कई साथी कह रहे हैं कि केजरीवाल मुख्यमंत्री बने रहेंगे और वे जेल के भीतर से भी दिल्ली की सरकार चलाने में सक्षम हैं। यदि ऐसा होता है तो यह भी इतिहास में दर्ज होगा कि कोई जेल से सरकार भी चलाता था। ये बात और है कि इस तरह के बयान देने वाले तमाम आप नेताओं के मन में भी खुद ही मुख्यमंत्री बनने के लड्डू फूट रहे हैं। अब देखना यह है कि केजरीवाल जेल में रहते हुए दिल्ली की सरकार चलाते हैं या आप पार्टी में कोई नया नेतृत्व उभरता है।

होली, अतुलनीय रंगों और समरसता का बेमिसाल, महान त्योहार

होली की अनंत वधाइयां, शुभकामनाये, फाल्गुनी रंगो से मनाई जाने वाली होली न सिफ भाईचारे, सौहार्द और प्यार, स्नेह का त्यौहार है। यह महान पर्व शत्रुता हरण करने वाला भी पवित्र त्यौहार है। होलिका दहन और रंगों के खेलने की की परंपरा अलौकिक है। होलिका दहन के रूप में समाज में व्याप्त बुराई को नष्ट करने की अद्भुत परंपरा सिर्फ हमारे देश में ही है। ऐसी विलक्षण तथा इस होलिका दहन तथा होली के इस पावन पर्व पर जुड़ी हुई है। प्राचीन सांस्कृतिक कथा के अनुसार हिरण्यकश्यपु नामक राक्षस राजा हुआ करता था। प्राचीन काल में ब्रह्माजी की तपस्या से उसने वरदान प्राप्त कर लिया था, कि उसे न देवता मार सके न ही कोई अन्य जीव जन्मता, न दिन में मरे न रात में, न अस्त्र से न शस्त्रों से, न धरती पर न आकाश में उसकी मृत्यु हो, इस तरह उसने अमरत्व प्राप्त कर लिया था। धीरे धीरे उसे इतना घमंड हो गया कि वह अपने को भगवान विष्णु और ब्रह्मा से बढ़कर भगवान समझने लगा, राज्य में कोई व्यक्ति किसी भगवान की पूजा नहीं कर सकता था, केवल हिरण्यकश्यपु की ही पूजा हो सकती थी। कालांतर में उसके एक पुत्र हुआ, बालक बड़ा हुआ, जो बुआ होलिका का सहारा लिया, होलिका को जीत पस्या से एक ऐसे कपड़े का वरदान प्राप्त था, जिसे पहनने पर वह अग्नि से जल नहीं सकती थी। इसी वरदान का फायदा उठाते हुए, होलिका ने बालक प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि स्नान किया, पर होलिका की चुनरी उड़ कर प्रह्लाद पर लिपट गई, और दुष्ट होलिका जलकर भस्म हो गई, प्रह्लाद फिर बच गए। इस तरह होलिका दहन का त्यौहार होलीका नामक बुराई को अग्नि से खत्म करने की प्रथा चली आई है। प्रह्लाद को राजा ने एक विशाल खंबे से बांध दिया और तलवार लेकर उसपर टूट पड़ा और पूछा बता तेरा भगवान कहां है, बालक ने बड़ी निडरता से कहा भगवान हर जगह है, आप मे, मुझ मे, आपकी तलवार मे इस खंबे मे भी। तब हिरण्यकश्यपु ने क्रोध से कहा तो देख तेरा भगवान तुझे कैसे बचाता है और उसने उसे मारने के लिए तलवार उठाई, तभी खंबे को फाड़कर एक भयानक जीव निकला, जो न नर था न दानव उसने राजा को गोद में लिया और अपने नुकीले नाखून से राजा का पेट फाड़ दिया। बालक प्रह्लाद

हा धामक प्रवृत्त का था आर
भगवान विष्णु का भक्त भी, यह
बात राजा को अत्यंत नागवार
गुजरती थी, उसने अपने पुत्र को
बहुत समझाने का प्रयास किया
कि उसका पिता राजा
हिरण्यकशिपु ही एकमात्र भगवान
है, पर बालक अपने पिता के इस
अधर्मी आदेश को नहीं मानता
था, बालक प्रह्लाद के ऊपर सख्ती
करने हेतु उसके पिता
हिरण्यकशयपु ने उसे समुद्र मे
फेंकने का आदेश दिया, उसे
हाथी कुचलने का आदेश
दिया, पहाड़ से नीचे फेंका गया
पर भगवान विष्णु की भक्ति और
दया से बालक प्रह्लाद जीवित
सकुशल बच गया। अंत मे राजा
ने अपनी बहन और बालक प्रह्लाद
का अनन्य भाक्त का दखलकर
उसको भक्त प्रह्लाद कहा जाने
लगा। भगवान विष्णु के अवतार
नरसिंह भगवान ने हिरण्यकशयप
का वध कर अहम दंभ और
बुराइयों को खत्म किया और तब
से होली का त्योहार प्राचीन समय
से भारत देश में मनाया जा रहा
है। होली पूरे विश्व में अनूठा,
अद्भुत, अतुलनीय भाईचारे प्रेम
रूप में मनाया जाता है, एक दूसरे
को रंग गुलाल लगाकर खुशियां
मनाई जाती है, एक दूसरे को
मिठाई भी खिलाई जाती है।
होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों
का त्योहार बहुत ही खुशी से
आजादी तो क्यों मनाया जाता है
देश की इस महान परंपरा को
नमन प्रणाम।



ग्रन्थालय

केजरीवाल की गिरफतारी का क्या असर पड़ेगा चुनाव पर ?

दिल्लो के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आबकारी नीति से जुड़े मनी लांडिंग मामले में बृहस्पतिवार रात को गिरफ्तार कर लिए गए। यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट की तरफ से केजरीवाल को गिरफ्तारी से अंतरिम शहत देने से इनकार के कुछ ही घंटों बाद की गई। 'इंडिया अंगेस्ट करप्शन' से निकले अरविंद केजरीवाल खुद भ्रष्टाचार के मामले में अरेस्ट होंगे, इसकी कल्पना उन्होंने आदोलन के समय कभी नहीं की होगी लेकिन सच्चाई यही है अब वे गिरफ्तार हो चुके हैं जिसका अंदेशा वे पिछले कुछ महीने से जता रहे थे। यूं तो केजरीवाल की दो राज्यों में सरकार, तीन राज्यों में महापौर और कई राज्यसभा सदस्य हैं। यह सब उन्होंने 13 साल में ही पा लिया मगर उनके साथ विवाद भी साए के साथ लगा रहा। विवाद तो उसी समय शुरू हो गया था जब उन्होंने आम आदमी पार्टी का गठन किया था, 2012 में जब उन्होंने राजनीतिक दल का गठन किया था तो सबसे पहले उनसे दूर होने वालों में अन्ना हजारे ही थे। आम आदमी पार्टी गठन के बाद से जिस तरह आगे बढ़ रही थी, आबकारी घोटाले में पार्टी का ऐसा हश्च होगा, किसी ने सोचा भी नहीं था। इस मामले में पार्टी के दो प्रमुख नेताओं के जेल जाने के बाद अब केजरीवाल की भी गिरफ्तारी हो गई है। आप के मुख्य कर्ताधर्ता व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ही हैं। दरअसल दिल्ली शराब नीति मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब देश में लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। 102 लोकसभा सीटों पर न हो गए हैं। ऐसे में आम आदमी नहीं बल्कि विपक्ष के लिए झटका है जिसे लेकर सियाही है। भारतीय जनता पार्टी गिरफ्तारी को सही और नहीं रही है तो विपक्ष राजनीतिक दे रहा है। मुख्यमंत्री वे गिरफ्तारी के बाद अब सभी सियासत में इस बात की लोकसभा चुनाव में आम आदमी विपक्षी इंडिया गठबंधन पड़ेगा हालांकि दिल्ली अरविंद केजरीवाल ने सहिता को लेकर ईडी के पार दिल्ली हाईकोर्ट खटखटाया था लेकिन गुरु राहत नहीं मिली, तभी ये बताया कि ईडी उन्हें किसी भी समर्थन सकती है। आखिरकार वे केजरीवाल को गिरफ्तार किया जिसके बाद राजनीतिक सहिता है। लोकसभा चुनाव की विपक्ष के बीच केजरीवाल की भाजपा और विपक्ष मुद्दा बन गया है। अरविंद केजरीवाल की आदमी पार्टी के साथ गठबंधन के लिए बड़ा झटका जाता है कि इससे आम आदमी लोकसभा कैपेन पर असर नहीं पड़ेगा। पार्टी का चेहरा केजरीवाल है जो पंजाब में आम आदमी पार्टी के साथ चुनाव लड़ रहा। केजरीवाल की गिरफ्तारी से पार्टी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गठबंधन के लिए भी बड़ा आम आदमी पार्टी इंडिया

हिस्सा है और केजरीवाल उसके अहम चेहरा है। केजरीवाल की गिरफ्तारी से इंडिया गढ़बंधन के चुनावी कैपेन पर असर पड़ेगा क्योंकि मतदाताओं को लुभाने और उन्हें अपनी तरफ मोड़ने में केजरीवाल माहिर खिलाड़ी है। अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और नेता उनके समर्थन में लामबंद हो गए तो विपक्षी दलों के नेता भी एकजुट होते नजर आ रहे हैं। आज शुक्रवार दोपहर को विपक्षी नेताओं के महत्वपूर्ण बैठक हो रही है जिसमें केजरीवाल की गिरफ्तारी पर आगे की लड़ाई की रणनीति बनेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केजरीवाल के परिवार से फोन पर बातचीत की। इसके अलावा राहुल शुक्रवार को केजरीवाल के परिवार से मिलने भी जा सकते हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद राहुल गांधी ने भाजपा पर निशाना साधा और एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि डरा हुआ तानाशाह, एक मरा हुआ लोकतंत्र बनाना चाहता है। मुख्य विपक्षी दल का अकाउंट फ्रीज करना भी आसुरी शक्ति के लिए कम था जो अब चुने हुए मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भी आम बात हो गई है। इंडिया गढ़बंधन इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ही नहीं बल्कि इंडिया गढ़बंधन में शामिल सभी घटक दल के नेता अरविंद केजरीवाल के समर्थन में खड़े हैं। इंडिया ब्लाक में केजरीवाल के आलोचक रहने वाले भी अब उनके साथ खुलकर खड़े हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला से लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित भी केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। सियासी जानकारों की माने तो इस मामले में जिस तरीके से कांग्रेस नेता राहुल से लकर प्रियंका गांधी गढ़बंधन के नेताओं ने तो साथ आम आदमी पार्टी ने उससे आने वाले दिनों अंच का अंदाजा लगाया बताया जाता है कि केजरीवाल के बाद विपक्षी इंडिया गढ़बंधन को लेकर अपनी सकता है। केजरीवाल टाइमिंग ऐसी है जब लोग बिगुल बज चुका है और हो गए हैं। ऐसे में विपक्षी के खिलाफ आक्रमक हो दे दिया है। माना जा रहा चुनाव में केजरीवाल की बनाने की दाव चलेगा। की इस बहाने यह कोशिश के बीच पीड़ित बनकर संकरने की है। इससे एक केजरीवाल की गिरफ्तारी चुनावी फायदा उठाने की आम आदमी पार्टी ने फिर सिसोदिया और संजय सिंह को भुनाया गया था, उससे दल के केजरीवाल की गिरफ्तारी बनाना शुरू कर दिया विश्लेषकों की माने तो केजरीवाल की गिरफ्तारी जुट गया है। इंडिया गढ़बंधन केजरीवाल की इस गिरफ्तारी अलग-अलग राज्यों की लेकर जा सकती है, जिसका सरकार और भाजपा को करते नजर आ सकते हैं। के नेता अगर यह बताने वाले हैं कि केजरीवाल या विपक्षी गिरफ्तारी एक राजनीतिक मोदी सरकार करा रहा

। सहित इंडिया वरित टिप्पणी के का साथ दिया है, में सियासत की जा जा सकता है। रीवाल गिरफ्तारी गठबंधन सियासी नई रणनीति बना की गिरफ्तारी की कसभा चुनाव का नामांकन भी शुरू को मोदी सरकार ने का एक मौका है कि लोकसभा गिरफ्तारी के मुद्दे इंडिया गठबंधन होगी कि जनता नहानुभूति हासिल बात साफ है कि रीवाल को भुनाकर जोशिश करेगा। जेस तरह मनोष वंग की गिरफ्तारी तरह से विपक्षी रफ्तारी को मुद्दा है। राजनीतिक विपक्षी गठबंधन को मुद्दा बनाने में गठबंधन अराविंद स्तारी को देश के जनता के बीच में सके बहाने मोदी विरने की कवायद इंडिया गठबंधन में सफल हो जाते विपक्षी नेताओं की क सजिश तहत है तो उसका फायदा मिल सकता है। अगर विपक्षी गठबंधन के नेता ऐसा करने में फेल होती है तो उनको बड़ा सियासी नुकसान भी हो सकता है। अराविंद के जरीवाल इंडिया गठबंधन के वो नेता हैं जो भाजपा को सीधे चुनावी देने वाले नेता माने जाते हैं। दिल्ली के 3 विधानसभा चुनाव, एमसीडी और चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा को केजरीवाल मात दे चुके हैं। मोदी लहर में भाजपा एक ओर जहां कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दलों के किले को फतह करने में सफल रही है लेकिन वहाँ दिल्ली में केजरीवाल से पार नहीं पा सकी। केजरीवाल आम आदमी पार्टी के चाणक्य कहे जाते हैं तो भाजपा को मात देने की कला बाख्यू जानते हैं। भाजपा और मोदी सरकार को केजरीवाल मजबूती से तकर्के के साथ घेरते हैं चाहे चुनावी रैलियां हो या फिर मीडिया। दिल्ली ही नहीं बल्कि देश की जनता की सियासी नब्ज को समझने वाले नेताओं में केजरीवाल को गिना जाता है। दिल्ली और पंजाब में सरकार बनाकर दिखा चुके हैं। ऐसे में केजरीवाल की गिरफ्तारी आम आदमी पार्टी ही नहीं बल्कि इंडिया गठबंधन के मिशन 2024 के लिए एक बड़ा झटका है क्योंकि इंडिया ब्लॉक में शामिल झारखंड के सीएम रहे हेमंत सोरेन पहले ही जेल में है। सोरेन भी गठबंधन के बड़े चेहरे हैं और झारखंड में भाजपा को मात देकर सरकार बनाई थी। इंडिया गठबंधन के दो बड़े नेता और दोनों ही भाजपा को मात देने में सफल रहे हैं जिनकी गिरफ्तारी इंडिया गठबंधन की सियासत पर असर डाल सकती है। आम आदमी पार्टी के साथ-साथ इंडिया गठबंधन भी अराविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर मुद्दा बनाना और भाजपा को घेरने में जुटी है।

इस तालिबानी नृशंसता की जड़ कहाँ है ?



मनोज कुमार अग्रवाल

ता लि बा ना
तरीके से दो मासूम बालकों को
धारदार हथियार से काट कर
हत्या कर दी गई वह किसी बेहद
शातिर पेशेवर हत्यारे के कृत्य से
भी अधिक खतरनाक व
खौफनाक मालूम पड़ता है। जिसे
एक हिन्दू परिवार के घर के ठीक
सामने सैलून चलाने वाले दो
जालिमों ने अंजाम दिया। जैसा
कि आप जानते हैं कि बच्चों की
हत्या का आरोपी साजिद भी
एनकाउंटर में मारा गया है। कई
लोगों के मन में सवाल है कि
आखिर क्या मामला था कि शख्स
ने मासूमों की खौफनाक तरीके से
हत्या करने से पहले एक बार
सोचा भी नहीं। आखिर घर में
घुसकर आरोपी साजिद हत्या कैसे
कर पाया? यूपी पुलिस के
मुताबिक, साजिद नाम का शख्स
जो नाई की दुकान चलाता है, ये
सात बजे के लगभग अपनी
दुकान के सामने विनोद नाम के
शख्स के घर गया। जानकारी के
अनुसार, दोनों एक दूसरे को
पहले से जानते थे और उनमें
कोई पुराना आपसी विवाद चल
रहा था।

साजिद ने विनोद के घर जाकर
पहले उसकी माँ और पत्नी से
अपनी पत्नी की डिलीवरी के लिए
पांच हजार रुपये उधार मांगे फिर
तबियत बोझिल होने की बात
कहते हुए चाय बनाने को कहा।
इसके बाद उसने विनोद के तीन
बच्चों आयुष, आहान और पीयूष
पर छत पर जाकर धारदार
हथियार से हमला शुरू कर
दिया। इस हमले में आयुष,
आहान की मौत हो गई, पीयूष को
हल्की चोट आई है जिनका इलाज
कराया जा रहा है। आरोपी दो
बच्चों की हत्या को अंजाम देने के
बाद मौके से फ्रार हो गया था।
पुलिस ने पास से ही इसे पकड़ा

के साथ उसका भाइ जावद भा
मृतकों के घर आया था। वह
बाहर खड़े होकर इंतजार कर रहा
था। बदायूँ की यह घटना स्वयं में
दिल झकझोर देने वाली है इसके
घटना में कई एंगल विचारणीय हैं
पीड़ित परिवार की महिलाओं के
बयानों में बताया गया है कि नाई
का काम करने वाला साजिद 22
वर्ष अपने भाई जावद के साथ
सैलून के सामने रहने वाले
विनोद के घर पहुंचा और पत्नी को
को गर्भवती बताया और डिलीवरी
के लिए अस्पताल में दाखिल होने के
को बात कहते हुए 5000 उधार
मांगे जिस पर विनोद की पत्नी ने
विनोद को फोन मिलाकर
अनुमति लेकर 5000 साजिद को
दिए तभी साजिद ने थोड़ा तबियत
बोझिल होने का बहाना बनाते हुए
संगीता का पालर देखने और आरोपी
थोड़ा खुले में जाने की बात कह
कर आयुष (13 साल) बड़े बच्चे
को साथ लेकर छत पर चला गया।
बताया गया है कि इसी बीच बच्चों
की माँ संगीता ने साजिद के लिए
चाय बनाकर भेजी साजिद ने
दूसरे बच्चे आहान को पानी लेने के
लिए नीचे भेजा और इस बीच
आयुष को बड़ी लुरी से मार दिया।
जब छोटा बालक आयान वहाने
पानी लेकर ऊपर पहुंचा तो उसने
देखा कि साजिद ने बड़े भाई
आयुष का को धारदार हथियार से
काट कर मार दिया था आरोप है कि
साजिद ने पानी लेकर गए
छोटे बच्चे 7 साल के अयान को
भी धारदार हथियार से काटकर
मार दिया इसी बीच मझला
बालक पीयूष साजिद द्वारा मांगाया
गया गुटखा मसाला लेकर छत पर
पहुंचता है तो देखता है कि वहां
उसके दोनों भाइ खून से तरबतरा
जमीन पर पड़े तड़प रहे हैं और
साजिद हाथ में लुरी लिए हुए
पीयूष को पकड़ने के लिए दौड़ता

है पायूष किसी तरकार से धक्का देकर उसके हाथ से छूट जाता है क्योंकि साजिद के पांव में शराब पिए हुए गिलास के टूटने से कांच लग जाता है साजिद के चंगुल से बचा बालक पीयूष नीचे आता है मा व दादी को हाँफते हुए जल्दी से ऊपर का घटनाक्रम बताता है और मा दादी समेत घर से बाहर निकल जाता है और घर का दरवाजा लगा देता है हत्यारा साजिद घर के अंदर बंद हो जाता है इसी बीच महिलाओं की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग बचाव के लिए मौके की ओर दौड़ते हैं लोग दरवाजा खोलते हैं तो साजिद बाहर खड़े अपने भाई जावेद की मदद से फरार होने में कामयाब हो जाता है इसी बीच घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंचती है और फरार बदमाशों का पीछा करती है करीब आधा किलोमीटर दूर शेखपुरा के जंगल में पुलिस और फरार बदमाशों के बीच मुठभेड़ होती है जिसमें साजिद पिस्तौल से फायर करता है जिससे एक पुलिसकर्मी घायल हो जाता है जवाबी फायरिंग में साजिद मौके पर ढेर हो जाता है जबकि उसका भाई जावेद भाग निकलने में कामयाब रहता है इस पूरी घटनाक्रम में सबसे अधिक गैर तलब करने वाली एक बात यह है कि अभी तक दोनों बच्चों के मर्डर के पीछे कोई मोटिव निकलकर सामने नहीं आया है मृतक बच्चों के पिता विनोद और मां संगीता साजिद जावेद उसके परिवार से किसी भी तरह की रेंजिश होने से इंकार करते हैं फिर ऐसी स्थिति में साजिद इन लोगों के घर में पहुंचकर दो मासूम बच्चों का इस निर्मम तरीके से कत्ल करता है?

यह सवाल अनुत्तरित खड़ा है इस समुचित घटनाक्रम में सबसे अधिक चिंता जनक पहलू यह है कि रमजान के पाक महीने में एक मुस्लिम युवक हिंदू महिला के घर में आकर जबकि घर में कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं है सिफे छोटे-छोटे बच्चे मौजूद हैं तो इस में उसकी एंटी करने की इजाजत

क्या दो जाता है वह तब्दीय बोझिल होने का बहाना करके बच्चों के साथ घर की तीसरी मंजिल पर छत पर कैसे चल जाता है? और वहां शराब पीती की इजाजत उसे कौन देता है क्या एक सामान्य घर में इस तरह की परमिशन किसी बाहर आगंतुक को होती है? जबकि यह युवक तो मुस्लिम है और इससे किसी तरह का संबंध होने से परिवार इनकार कर रहा है इस परिवार ने यह क्यों नहीं सोचा विज जब यह पड़ोसी युवक छत पर शराब पिएगा तो इसका छोड़ना बच्चों पर क्या असर पड़ेगा? फिर जिस नृशंसता से यह युवक दोनों बच्चों का कत्ल कर देता है और तीसरे बच्चे की भी कत्ल करने का कोशिश करता है। सवाल यही है कि क्या साजिद संगीता से एवं तरफा प्यार करता था? क्या साजिद और संगीता के बीच कोई किसी तरह का संबन्ध था? क्या साजिद तीनों बच्चों की हत्या का संगीता और अपने बीच के कानून साफ कर रहा था और इसी लिए उसने कहा कि उसने काम पूरा कर दिया है। बहराहाल जो भी है इस समूचे नृशंसता भरे घटनाक्रम ने पूरे देश को भीतर तक झकझोला दिया है सवाल यह है कि ऐसे हैवानियत कहां से आती है अखिर क्यों एक 22 साल का बेखौफ हत्यारा दो मासूम बच्चों को मौत के घाट उतार देता है इतनी बहशियाना तरीके से हत्या की जाती है कि इंसानियत जा जार हो जाती है कुछ सियासी दत्त राजनीतिक रोटी सेकने के लिए पुलिस के एनकाउंटर पर तामाज तरीके से सवाल उठाने कोशिश कर रहे हैं लेकिन घटना की नृशंसता को देखते हुए पुलिस के किसी भी एनकाउंटर पर सवाल उठाना अनुचित मालूम पड़ता है जावेद भी पकड़ा जाना चुका है और इस पूरे घटनाक्रम देखकर रहस्य से भी पर्दा उठ जाएगा ताकि उसके बाद एक पुलिस संगीता और पीड़ितों से भूल बातचीत व पूछताछ करने वे लिए हालात सामान्य होने का इंतजार कर रही है।

मोदी और आरएसएस से नफरत क्यों करते हैं गैर हिन्दू

राज सक्सेना

विपक्ष और गैर हिन्दू आरएसएस और मोदी से हद दर्जे की नफरत क्यों करते हैं। अगर इस पर गंभीरता से विचार किया जाय तो जो परिदृश्य समाने आता है। वह बड़ी भ्रम की स्थिति पैदा करने वाला है। आज तक आरएसएस या मोदी ने कभी मुख्य होकर किसी गैर हिन्दू धर्म पर कोई ऐसी टिप्पणी नहीं की है जिसे आपत्तिजनक कहा जा सके। इसके विपरीत विपक्षी दल और गैर हिन्दू धार्मिक नेता खुले मंचों से एक दिन में कमसे कम एक साँस में सैकड़ों बार सनातन धर्म, मोदी और आरएसएस को गरियाते हैं। वस्तुतः हिन्दू स्वभावतः शांतिप्रिय, धर्मधीर और सर्वधर्म समभाव की स्वाभाविक प्रवृत्तिजन्य मानसिकता वाला जीव होता है जो 'वमधैव स जाड़ना हाता ह। छात्रों के सगठन के लिए आरएसएस इसी के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का गठन भी करता है जिससे युवा कॉलेज दिनों से ही हिन्दुत्व की राजनीति से जुड़ना शुरू करदें। यह सब करने के साथ ही आरएसएस अपने स्वयंसेवकों का चरित्र एवं स्वास्थ्य निर्माण भी जारी रखता है ताकि जरूरत पड़ने पर रिजिव फोर्स तैयार रहे जो आज करोड़ों में है। हिन्दुओं को जो जातिवाद में तोड़ा गया था, उससे छुटकारा पाने को वह 'एक मन्दिर, एक कुँवा और एक श्मशान' का भी फार्मूला देता है। भले ही इन बातों से आरएसएस आलोचना होती है लेकिन आरएसएस इतना भी मूर्ख नहीं है कि इस कोशिश के चक्रकर में सम्भावित खतरे से झांग्र मंद ले

कुटुम्बकम्' नीति में विश्वास रखता है। इसके विपरीत गैर धर्म मानने वाले लोगों को बचपन से ही उनके धर्मग्रन्थों के माध्यम से अन्य धर्म मानने वालों से नफरत का पाठ पढ़ाया जाता है जिससे वे स्वाभावितः अन्य धर्मावलम्बियों से बैर भाव रखने लगते हैं। भारत में मुस्लिम लीग का जन्म होते ही जागरूक हिन्दू समझ गये कि संकट पैदा हो चुका है। इसके जवाब के लिए हिन्दू महासभा बनायी गयी लेकिन आगे की लड़ाई सांस्कृतिक के साथ साथ राजनीतिक बन गयी। तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और सही मायने में हिन्दू परम्पराओं और मान्यताओं से नफरत करने वाला कांग्रेसी नेतृत्व अपने वर्चस्व के लिए हिन्दू महासभा को बदनाम और बहिष्कृत करता रहा, परिणामस्वरूप महासभा कमज़ोर होने लगी। यह देखकर डा. हेडगेवार ने आने वाली नस्ल को खेलकूद के माध्यम से वर्णिवीहीन और जातिवीहीन हिन्दू इतिहास, परम्परा और संस्कृति का संज्ञान कराने के लिए बीस-पचीस बच्चों को लेकर आरएसएस की 1925 में पहली शाखा की स्थापना की। आजादी मिलने तक आरएसएस पचीस हजार स्वयंसेवकों का एक

ચેહરે કેરાસો-કેરાસો



डॉ सुरेणा नवाचार मिश्र

बहरूपया गाव
डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा में घुस आया।
चेहरे पर शराफत और भीतर से खुराफ़ात धेरों सभी को अपनी मीठी-मीठी बातों में फांसने लगा। उसने आम के पेड़ पर सेब, सेब के पेड़ पर इमली, इमली के पेड़ पर अमरूद और अमरूद के पेड़ पर आम उगाने का वादा किया। गांव के लोग भोले-भाले और बहरूपिए की बात से एकदम गोल थे। बहरूपिए ने आगे कहा - जब ता बल का भादूध देना चाहिए। चूंकि इतने सालों से दृनिया भर का घास बैल खा चुके हैं, इसलिए शराफत इसी में है कि वे गाय की तरह दूध देने से न-नुकूर न करें। गली बस्तियों में बहन वाले नाले में हमारी मेहनत का पसीना बहता है इसलिए उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए। इससे गैस्ट्रिकल कालकर खाना पकाना चाहिए। 'हर घर टोकरी-हर घर नौकरी का सपना पूरा होना चाहिए आशाओं की टोकरी में नौकरी का

—कैसे

लड़ किसे अच्छा नहीं लगता। भोले भाले लोग बहरूपिए की बातों में बहने लगे। सभी ने मुक्तकंठ से उसकी बुद्धि का लाहा मान लिया। उसे गांव की जिम्मेदारी सौंप दी। अगले दिन बहरूपिए ने गांव की बागडोर संभालने से पहले लोगों को एक छोटी सी कहानी सुनाई। उसने कहा — भेड़ों की दुनिया में एक लोमड़ी ने प्रण किया कि वह किसी से धोखा नहीं करेगा। एक शेर अपने अतीत के कर्मों पर पछतावा करते हुए भविष्य में फिर किसी को नहीं मारने का वाद किया। केंचुओं ने अपने धीमे चाल का त्याग करने और सांप की रफ्तार से आगे बढ़ने का शपथ ली। सांप ने विश्वास दिलाया कि वह अपने डंसने वे कर्म से छुटकारा लेकर बम भोले के गले की तरह लोगों के गले का शोभा बढ़ाएगा। बहरूपिए की यह कहानी लोगों को बहुत पसंद आई। वे भेड़ बनकर पिछले कुछ वर्षों से उसका अंधाधुंध पलायन करते आ रहे हैं। आंगन में विकास और गली-मोहल्लों में अच्छे दिन का तांता लगा हुआ है। विश्वास न हो तो आप लोग अपने चारों ओर ही देख लीजिए।



एरच गांव में महिलाएं नहीं देखती हैं होलिका दहन, वजह भी ऐसी कि दंग रह जाएंगे

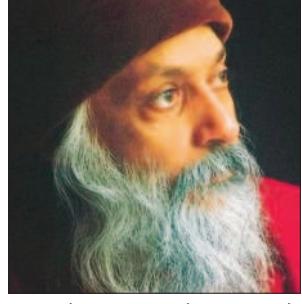


भारत में एक गांव ऐसा भी है, जहां पर होली दहन के दिन लोग रोते हैं और होलिका देवी से माफी मांगते हैं। इस गांव में महिलाएं होलिका दहन नहीं देखती हैं। इसके पीछे वजह बहुत ही दिलचस्प हैं। आइए, जानते हैं होलिका देवी की कहानी।

होली इस साल 25 मार्च की है। रंगोत्सव से पहले फाल्गुन माह के शुक्र पक्ष की पूर्णिमा की राति को होलिका दहन किया जाता है यानी इस साल होलिका दहन 24 मार्च को है। होलिका दहन से एक पौराणिक कहानी जुड़ी हुई है। जिसमें हिरण्यकशयप की भूत के होलिका ने अपने भाई के कहने पर भक्त भगवान विष्णु की पूजा न करने का आदेश दिया था लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। हिरण्यकशयप के बहुत कहने पर भी उसके पुत्र प्रह्लाद ने भगवान विष्णु की पूजा करना नहीं छोड़ा।

इसका कारण ये अपनी गोद में प्रह्लाद को लेकर बैठ गई थी लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गया और होलिका आग में जलकर खाक हो गई। इसके बाद से हर साल होलिका दहन किया जाता है लेकिन प्रह्लाद का भूत वार भवति के समय होलिका को पूजती है और भक्त अलग, ऐसा नहीं है। उसके बाद से हर साल होलिका ने अपने भाई के कहने पर भक्त भगवान विष्णु की पूजा करना नहीं देखती है। आइए, आपको होलिका दहन और इससे जुड़ी खास बातों को विस्तार से बताते हैं।

अंतिम घड़ी में भक्त भी खो जाता है



भगवान एक अनुभूति है। अच्छा हो कि हम भगवान शब्द को छोड़ कर भगवता शब्द का प्रयोग करें; तो ज्यादा सरल हो जाएगा। भगवता का एक पहलू भक्त और दूसरा पहलू भगवान। अंतम घड़ी में भक्त भी खो जाता है, भगवान भी खो जाता है, भगवता रह जाती है, भगवता का सापर रह जाता है। संकेतों पापाण में से एक तू पापाण होता, मैं न होती भावना फिर तू कहाँ भगवान होता। स्नेह के लघु दीप में मैं वृत्तिका बन कर जली हूँ तब चरण की करु छुट्टी नहीं अर्थ जल बन कर दुली हूँ। मैं न यदि निज को मिटानी दूर क्या व्यवहान होता, मैं न होती भावना फिर तू कहाँ भगवान को आपको छोड़ देता है। आइए, आपको होलिका दहन और इससे जुड़ी खास बातों को विस्तार से बताते हैं। (क्रमशः)

महाभारत की सीरीज़

महाभारत का किस्सा है। कौरव-पांडवों के बीज युद्ध हो रहा था। के 9 दिन बीत चुके थे, लेकिन कौरव पांडवों को पराजित नहीं कर पाए थे। इस बात से दुर्योधन पुरुष हो गया और उसने भीष्म पितामह से शिकायत करते हुए कहा कि आप ठीक से युद्ध होनी नहीं रख रहे हैं। हमारे पक्ष के एक राजा मारे जा चुके हैं, लेकिन अब तक एक भी पांडव नहीं मरा है। दुर्योधन ने चिल्लताएं हुए भीष्म से आगे कहा कि आप जिस तरह से युद्ध कर रहे हैं, उसे देखकर तो यही लगता है कि आप कौरवों की ओर से नहीं, बल्कि पांडवों की ओर से युद्ध कर रहे हैं। इससे पहले भी दुर्योधन भीष्म का धैर्य टूट गया और दुर्योधन के नाम से दुर्योधन का बार-बार ताने मारते रहता था, लेकिन मैं शायत रहते थे। युद्ध के 9 दिन भीष्म का धैर्य टूट गया और दुर्योधन के नाम से दुर्योधन का बार-बार ताने मारते रहता था, लेकिन मैं शायत रहते थे। युद्ध में या तो मैं रमण्या या मैं पांडवों का वध कर दूँगा। मैंने तेरा अन खाया है। उसकी कीमत जरूर चुकाऊंगा।

भीष्म पितामह की ये बातें सुनकर दुर्योधन को भरोसा हो गया था कि भीष्म को तो इच्छामृत्यु का वरदान मिला हुआ है, इसलिए ये तो मरेंगे नहीं, कल पांडव मारेंगे।

आपाने दिन जब भीष्म और अर्जुन आपने सामने आ गए। उस समय अर्जुन के रथ पर शिखड़ी आया तो भीष्म ने अपने धनुष-बाण रख दिए थे, व्योमिं भीष्म शिखड़ी को स्त्री मानते थे और वे स्त्रियों के सामने शस्त्र नहीं उठाते थे।

भीष्म ने धनुष-बाण रखे तो अर्जुन ने उन्हें पराजित कर दिया। अर्जुन के बांगों से भीष्म बांगों की शायती पर आ गए।

युद्ध के बाद जब पांडव भीष्म पितामह से मिलने पहुँचे तो वे धर्म का ज्ञान दे रहे थे। भीष्म से याकों वातां सुनकर द्वौपदी ने कहा कि आज आप धर्म का ज्ञान दे रहे हैं, लेकिन ये ज्ञान उस समय कहां गया था, जब भीष्म सभा में मेरा चौरस्त्रण हो रहा था?

महाभारत की सीरीज़ भीष्म पितामह को द्वौपदी की बात का जवाब देते हुए कहा कि दुर्योधन का अन खाने से मेरा मन उससे बंध गया था। दुर्योधन का धन अधर्म से कमाया हुआ था और वही अन्हूं मैं भी खा रहा था। इस वजह से मैं उस दिन चूप रह गया। अधर्म से कमाए हुए धन की वजह से हम बंध जाते हैं, इसलिए ऐसे धन और अन्हूं से बचना चाहिए।

होलिका में जला दें सेहत की चिंता ये अचूक उपाय भर देंगे आपकी तिजोरी

इस साल होली पर चंद्र ग्रहण भी पड़ने वाला है, जो एक दुर्लभ संयोग है। सनातन धर्म में होली के पर्व का बड़ा महत्व है। इस त्योहार पर बूंदों का भूलकर लोग दुसरों को भी गल लगा लाते हैं। लेकिन उस तर्ज की काम करनी चाहीं है। यही वजह है कि होली पर कुछ लोग मानते हैं कि उनके गांव के देवी की तरह पूजा जाता है। यहां गांव में रहने वाले लोग मानते हैं कि उनके गांव के देवी होलिका है, इससिंह वे सुख-समृद्धि के लिए होलिका देवी का आधार करते हैं। साथ ही होलिका दहन के लिए उनकी होलिका को विशेष पूजा करके उनसे माफी मांगकर अपनी नाक रगड़ते हैं। एरच गांव के लोग मानते हैं कि एरच गांव नदी किनारे बसा हुआ है, फिर भी उस गांव में आज तक बाद नहीं आई है।

होली पर काम करने के उपाय होली के दिन चांदी का सिक्का खिरदकर कर लाए। ऐसा करने से यह एक अधिक परेशानियां खत्म हो जाती है। इस सिक्के को लाल कपड़े में लापेटकर तिजोरी में रखें। आपकी तिजोरी मालामाल रहेगी।

भगवान विष्णु की भी पूजा करना चाहते हैं तो सबसे पहले श्री लक्ष्मी का पूजन करें। उसके बाद ही भगवान विष्णु की पूजा करना चाहता है।

फिर होली के दिन भरत भर के मुख्य द्वार पर आम या फिर असोक के पास का दिन भरत के द्वार के लिए धूम-धूरों के साथ बुरा करने का सोचते हुए इसके जलन करते हैं।

होली के दिन चांदी का सिक्का खिरदकर कर लाए। ऐसा करने से यह एक अधिक परेशानियां खत्म हो जाती है। इस सिक्के को लाल कपड़े में लापेटकर तिजोरी में रखें। आपकी तिजोरी मालामाल रहेगी।

भगवान विष्णु की भी पूजा करना चाहते हैं तो सबसे पहले श्री लक्ष्मी का पूजन करें। उसके बाद ही भगवान विष्णु की पूजा करना चाहता है।

होली के दिन चांदी का सिक्का खिरदकर कर लाए। ऐसा करने से यह एक अधिक परेशानियां खत्म हो जाती है। इस सिक्के को लाल कपड़े में लापेटकर तिजोरी में रखें। आपकी तिजोरी मालामाल रहेगी।

कंधे पर राशि अनुसार इन रंगों से खेलें, चमकेगा भाग्य, खास हो जाएगा त्योहार!



मेष राशि- मेष राशि को लाल और पीले रंग से होली का राशि के दिन रंगों से होली खेलने से आपके जीवन में प्यार और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो जाएगा।

वृषभ राशि- वृषभ राशि के जातकों को होली के दिन सफेद कपड़े पहनकर नारंगी और बैंगनी रंग से होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से आपके सौभाग्य में वृद्धि होती है।

मिथुन राशि- मिथुन राशि के जातकों को होली के दिन सफेद कपड़े पहनकर नारंगी और बैंगनी रंग से होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से आपके सौभाग्य में वृद्धि होती है।

कन्या राशि- कन्या राशि के लोगों को हरे, भूंके और नारंगी रंग से होली खेलने से इस राशि के लोगों का आपने चाहिए। ऐसा करने से उनके जीवन में लेकर जाति है, धूंधली वंदन करते हैं। कई लोग उड़वन करते हैं, कोई भर में छिड़काव करता है। इन सब का तापावधि यह है कि वह काम के माध्यम से घर में मौजूद रोगण, कीटाणु, वैक्टीरिया, जीवाणुओं को नष्ट कर देती है। इसलिए होलिका दहन की राशि के लोगों को छिड़कते हैं। यही इसका मुख्य कारण है।

कुम्भ राशि- कुम्भ राशि के जातकों को होली खेलने से आपको शीघ्र ही अपने लक्षण की प्राप्ति होती है।

कर्त्तव्य-राशि- कर्त्तव्य राशि के लोगों को होली खेलने से आपको शीघ्र ही अपने लक्षण की प्राप्ति होती है। इसलिए होलिका दहन की राशि को छिड़कते हैं।

कन्या राशि- कन्या राशि के लोगों को हरे, भूंके और नारंगी रंग से होली खेलने से इस राशि के लोगों का आपने चाहिए। ऐसा करने से उनके जीवन में लेकर जाति है, धूंधली वंदन करते हैं। तुला राशि- तुला राशि के लोग गोल्डन और लाल रंग के लोगों को होली खेलने से आपको शीघ्र ही अपने लक्षण की प्राप्ति होती है।

मिथुन राशि- मिथुन राशि के लोगों को होली खेलने से आपको शीघ्र ही अपने लक्षण की प्राप्ति होती है। इस राशि के लोगों को होली खेलने से आपको शीघ्र ही अपने लक्षण की प्राप्ति होती है।

कर्त्तव्य-राश

आंध्र प्रदेश के यागंटी मंदिर में चल रही है 'पुष्पा 2' की शूटिंग, रशिमका ने साझा की तस्वीर

अल्लू अर्जुन और रशिमका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के लिए दर्शक बेहद उत्साहित हैं। फिल्म को शूटिंग तेजी से चल रही है। निर्माता जल्द से जल्द शूटिंग खत्म करने की तैयारी में हैं, ताकि फिल्म तय समय पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सके। सुकुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अल्लू अर्जुन 'पुष्पा' और रशिमका 'श्रीवल्ली' को भूमिकाओं को दोहराएंगे। फिल्म की शूटिंग से जुड़ा अब नया अपडेट सामने आया है।

अभिनेत्री रशिमका मंदाना 'पुष्पा 2: द रूल' की शूटिंग पूरी करने के लिए अपने गृहनगर वापस आ गई है। फिल्म को लेकर उत्साहित रशिमका ने अब शूटिंग से जुड़ा एक बड़ा अपडेट साझा किया है। उन्होंने जानकारी दी है कि शूटिंग का मौजूदा शेयर्यां आंध्र प्रदेश के यांगंटी मंदिर में चल रहा है। यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दर्शक देगी।

रशिमका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा की। पोस्ट में अभिनेत्री ने यांगंटी मंदिर में जलते हुए दीये की एक तस्वीर साझा की और खुलासा किया कि सीक्वल की शूटिंग वर्तमान में इस स्थान पर हो रही है।

सुकेश ठग ने जैफलीन के नाम लेटर लिख कहा- बेबी मेरे दिल की धड़कन बढ़ रही है



जैफलीन फनांडीज तब से सुखियों में हैं जब उनका नाम अच्छा उपहार है। मैं जिस उपहार की बात कर रहा हूं वह माम्बिल डाइवा है। अभिनेत्री का नाम ठग सुकेश से आज भी जोड़ा जाता है। सुकेश पिछले कुछ समय से जेल में है। जेल में रहने के बावजूद वह कई मौकों पर अभिनेत्री को प्रेम प्रहर भेजता रहता है। अपने जन्मदिन से पहले, उसने एक बार फिर जैफलीन के नाम अपना पैमाम भेजा है।

सुकेश चन्द्रशेखर ने पत्र की शुरूआत यह लिखकर कहा, "बेबी, 25 मार्च को मेरे जन्मदिन के गिफ्ट के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद, लेकिन मैं इस अपना छोटा जन्मदिन का उपहार कहूंगा। बेबी, यह मेरे

जीवन में अब तक मिला सबसे अच्छा उपहार है। मैं जिस उपहार की बात कर रहा हूं वह माम्बिल डाइवा है। अभिनेत्री का नाम रिलीज हुआ गाना यामी है। सुकेश ने अगे लिखा, बेबी, जब मैंने गाना सुना तो मैं दंग रह गया। गाने का हर शब्द, हर लालान मेरे वारे में है। यह गाना हमारी कहानी और कुल मिलाकर हमारे वारे में है। मुझे यकीन है कि जो कोई भी इसे अधिक से अधिक बड़ा ही लिख देने और इसे यूट्यूब पर इस साल का सबसे बड़ा हिट सिंगल बनाने के लिए कहा है। उन्होंने अगे लिखा, "बेबी माय बोमा, आपको मौजूदगी के बिना जन्मदिन किसी भी तरह से जश्न नहीं है, लेकिन यह साल खास है, आपके इस गाने की बजह के बारे में वहुत सारे सावल और गलत कर्में हैं। उन्होंने अगे लिखा, "बेबी माय बोमा, आपको इस गाने को लागा करना चाहती है कि यह आपको इस गाने की बजह से जश्न नहीं है, लेकिन यह साल खास है, क्योंकि यह आपके इस गाने की बजह के बारे में है।

सुकेश ने दावा किया कि यह गाना सिर्फ ग्लैमर से भरपूर एक

करते हैं। दिलजीत दोसांझा ने भी कथित तौर पर अमरीकी में शादी कर ली है लेकिन वह कभी अपने परिवार को किसी भी बातचीत में नहीं लाता। ऐसा लगता है कि वह उन्हें नकारात्मकता से बचाना चाहता है।

यह तक कि गायक गुरु ना मूल्लर ने भी चुप चा प अच्छा न कर ली थी। देख ना कि सो न मैं

करते हैं। दिलजीत दोसांझा ने भी कथित तौर पर अमरीकी में शादी कर ली है लेकिन वह कभी अपने परिवार को किसी भी बातचीत में नहीं लाता। ऐसा लगता है कि वह उन्हें नकारात्मकता से बचाना चाहता है।

यह तक कि गायक गुरु ना मूल्लर ने भी चुप चा प अच्छा न कर ली थी। देख ना कि सो न मैं

करते हैं। दिलजीत दोसांझा ने भी कथित तौर पर अमरीकी में शादी कर ली है लेकिन वह कभी अपने परिवार को किसी भी बातचीत में नहीं लाता। ऐसा लगता है कि वह उन्हें नकारात्मकता से बचाना चाहता है।

यह तक कि गायक गुरु ना मूल्लर ने भी चुप चा प अच्छा न कर ली थी। देख ना कि सो न मैं

करते हैं। दिलजीत दोसांझा ने भी

करते ह

